स्थापना वर्ष: 1984

पंजी . संख्या. 6467

मानव मंदिर मिशन
समाचारपत्र

मई- 2026

परम पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री
रूपचंद्र जी महाराज

जय जिनेन्द्र, ॐ अर्हम

हम मानव मंदिर मिशन के सामाजिक सेवा कार्यों के प्रति आपके सहयोग, समर्थन एवं उदारता के लिए हृदय से अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। आपके अमूल्य सहयोग के माध्यम से हम मानव सेवा और आध्यात्मिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करने में सफल हुए हैं।

आपके योगदान ने हमें जरूरतमंद एवं वंचित लोगों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर प्रदान किया है। हमारे मिशन की सफलता के पीछे आप सभी हमारी प्रेरणा और शक्ति के स्रोत हैं।

इस समाचार-पत्र के माध्यम से हम आपको हमारे विभिन्न सेवा प्रकल्पों एवं उनके अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

हमारी गतिविधियां

मेरी भाषा, मेरी पहचान - अपनी जड़ों से जुड़ने की एक पहल

आचार्यश्री रुपचन्द्र वर्चुअल शिक्षण प्रकल्प, आया नगर, नई दिल्ली में गढ़वाली, कुमाऊँनी एवं जौनसारी भाषाओं की कक्षाओं का सफल शुभारंभ किया गया। बच्चों एवं अभिभावकों के उत्साह और सहभागिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी भाषा और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण कितना महत्वपूर्ण है।

"मेरी भाषा, मेरी पहचान" अभियान के अंतर्गत प्रारंभ की गई यह पहल नई पीढ़ी को उनकी मातृभाषा, परंपराओं, संस्कारों और सांस्कृतिक जड़ों से पुनः जोड़ने का एक प्रयास है, ताकि हमारी समृद्ध विरासत सुरक्षित रहे, फलती-फूलती रहे और आने वाली पीढ़ियों तक गर्व के साथ पहुँचती रहे।

हम उन सभी विशिष्ट अतिथियों, शिक्षकों, सहयोगियों एवं अभिभावकों के प्रति हृदय से अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिनके प्रोत्साहन, सहयोग और अमूल्य योगदान से यह पहल संभव हो सकी।

हमारी भाषा-हमारी पहचान
हमारी संस्कृति-हमारा गौरव

आइए, हम सब मिलकर अपनी जड़ों को संरक्षित करें और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक गर्व और सम्मान के साथ पहुँचाएँ।

POCO X6 NEO 5G

आचार्यश्री रूपचन्द्र वर्चुअल शिक्षण प्रकल्प के अंतर्गत, स्वर्गीय श्रीमती चंद्रकुँवर जी मेहता की पुण्य स्मृति में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग में एक नए शिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया

मानव मंदिर मिशन द्वारा संचालित आचार्यश्री रूपचन्द्र वर्चुअल शिक्षण प्रकल्प के अंतर्गत **उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जनपद के ग्राम नगरासू** में एक नए शिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह प्रकल्प झुग्गी-बस्तियों तथा दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है।

इस पावन अवसर पर पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचन्द्र जी महाराज, साध्वी कनकलता जी महाराज एवं पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सहभागिता कर सभी को अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

यह शिक्षण केंद्र **अमेरिका निवासी श्री दशरथ जी दुगड़ एवं श्रीमती चित्रा जी दुगड़** द्वारा अपनी पूज्य माताजी **स्वर्गीय श्रीमती चंद्रकुँवर जी मेहता** की पावन स्मृति को समर्पित करते हुए प्रायोजित किया गया है।

मानव मंदिर मिशन की ओर से इस अवसर पर प्रोजेक्ट के निदेशक श्री वेदांत दुबे जी तथा सहायक श्री साहिल वर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए इस पहल का स्वागत किया।

इस संपूर्ण आयोजन का सफल समन्वय **मोल्यार रिसोर्स फाउंडेशन** के श्री दुर्गा सिंह भंडारी जी तथा जी.पी.एस. गांधीपुर के प्रधानाचार्य श्री राकेश नैनवाल जी द्वारा किया गया।

मंत्र विज्ञान के दिव्य आयामों पर एक विशेष पुस्तक गुरुदेव जी को भेंट की गई

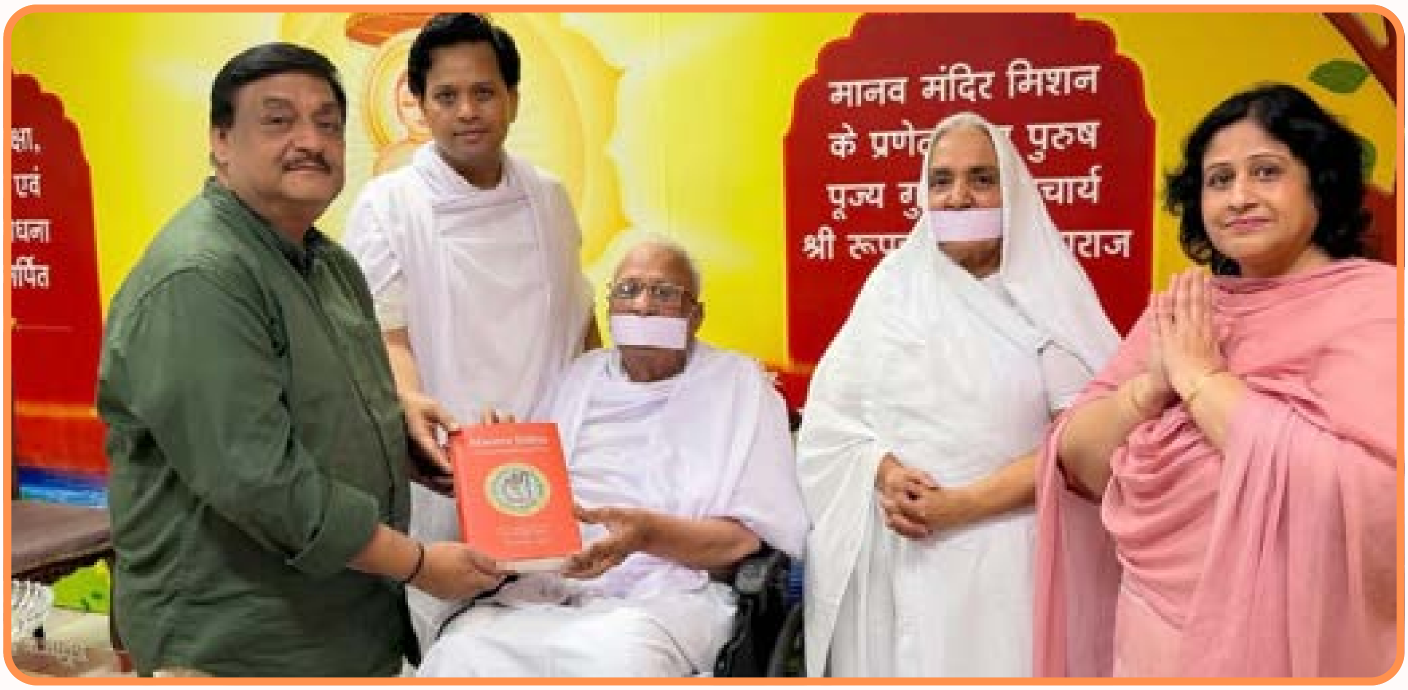

डॉ. प्रवीण जैन (सैन होज़, कैलिफ़ोर्निया, अमेरिका) द्वारा रचित 'मंत्र विज्ञान' विषयक एक विशेष पुस्तक को परम पूज्य आचार्यश्री रूपचन्द्र जी महाराज के श्रीचरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित किया गया।
इस पावन अवसर पर पूज्या साध्वी कनकलता जी महाराज, पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज, श्री केशव जैन जी तथा श्रीमती सिम्मी जैन जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।
यह क्षण गुरु परंपरा के प्रति अटूट श्रद्धा, मंत्र ज्ञान की दिव्यता तथा आध्यात्मिक समर्पण की गहन भावना का सजीव प्रतीक बना।

मानव मंदिर मिशन में संतों का समागम

मानव मंदिर मिशन में संतों का एक प्रेरणादायी समागम आयोजित हुआ। लगभग 18 वर्षों के उपरांत योगी धनंजय जी महाराज से पुनः मिलना अत्यंत हर्ष, आत्मीयता और भावनात्मक आनंद का विषय रहा। इस अवसर पर उनके साथ पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज, स्वामी सतीश प्रकाश योगी जी, आचार्य डॉ. अरुण प्रकाश जी महाराज, पंडित पी.के. शास्त्री जी महाराज तथा अन्य विशिष्ट संत एवं गणमान्य व्यक्तित्व भी उपस्थित रहे। यह समागम आध्यात्मिक आत्मीयता, पारस्परिक स्नेह और पुरानी मधुर स्मृतियों से ओत-प्रोत रहा।

मानव मंदिर मिशन में पूज्य श्री राममंगल दास जी महाराज का हार्दिक स्वागत किया गया

मानव मंदिर मिशन में पूज्य श्री राममंगल दास जी महाराज का हार्दिक स्वागत किया गया। इस पावन अवसर पर पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचन्द्र जी महाराज, पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज तथा आचार्य डॉ. अरुण प्रकाश जी महाराज के मध्य अत्यंत आत्मीय, आध्यात्मिक संवाद हुआ। पूज्य श्री राममंगल दास जी महाराज के मार्गदर्शन एवं सेवा-संकल्प के अंतर्गत मयूर विहार और नोएडा स्थित राधा-कृष्ण गौशाला में लगभग **3,000 देशी गौमाताओं** की समर्पित भाव से सेवा एवं देखभाल की जा रही है। यह कार्य भारतीय संस्कृति, करुणा और गौ-सेवा की महान परंपरा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है।

हमें 2025-26 के लिए कक्षा 10 और 12 के बोर्ड परीक्षा परिणाम साझा करते हुए गर्व हो रहा है, जो हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत और आपके अटूट सहयोग का नतीजा है

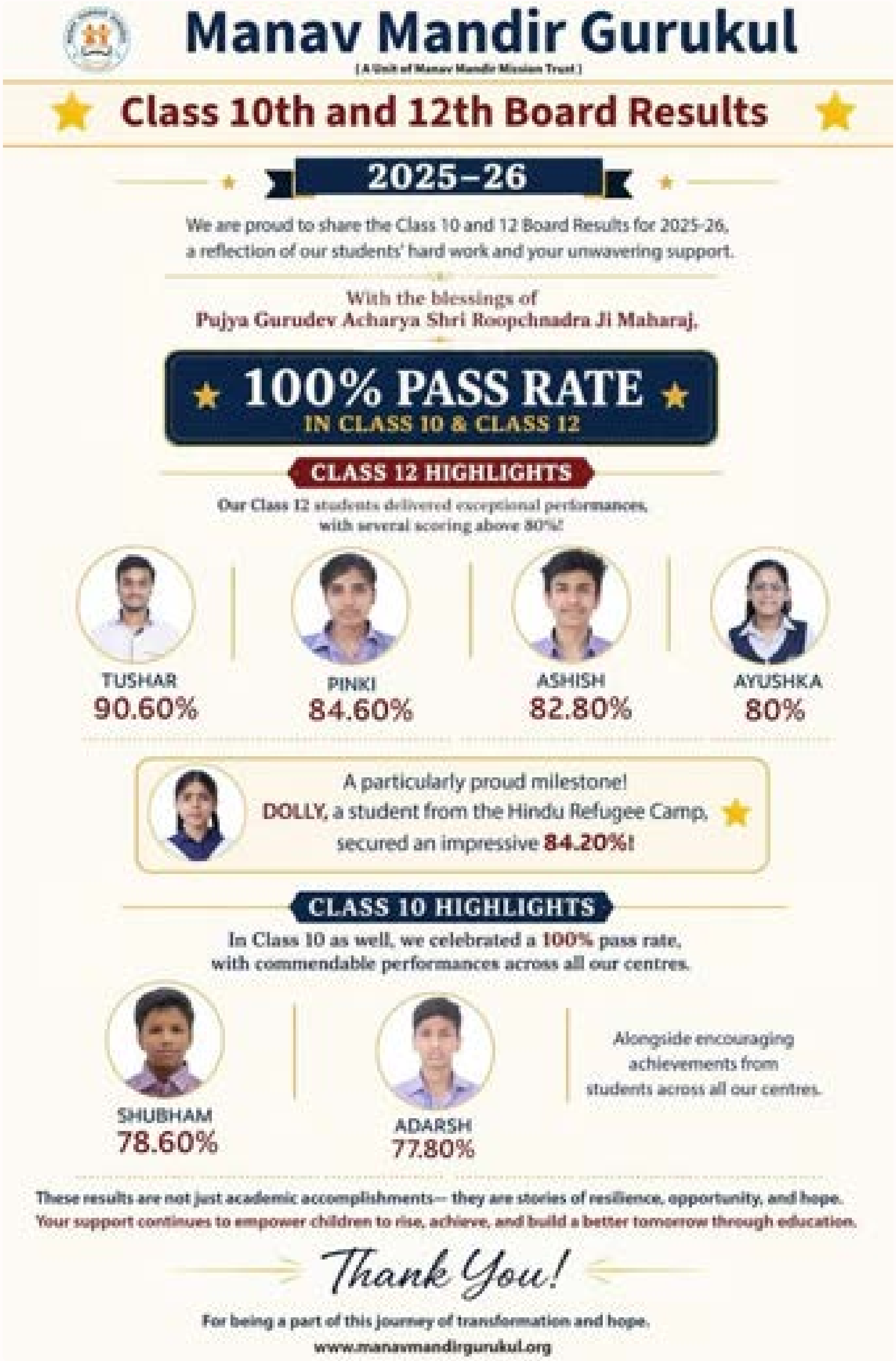

पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री रूपचन्द्र जी महाराज के आशीर्वाद से इस वर्ष हमने कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं दोनों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त कर एक गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
विशेष रूप से कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। कई विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जिनमें तुषार (90.60%), पिंकी (84.60%) तथा आशीष (82.80%) प्रमुख हैं। हमारे लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय यह भी है कि हिन्दू शरणार्थी शिविर की छात्रा डॉली ने 84.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। उनकी यह उपलब्धि इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि शिक्षा में जीवन को बदलने और नई संभावनाओं के द्वार खोलने की अद्भुत शक्ति निहित है।

कक्षा 10वीं में भी हमने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त कर गौरवपूर्ण सफलता हासिल की। हमारे विद्यार्थी शुभम ने 78.60% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि आदर्श ने 77.80% अंक हासिल कर उनके समीप रहते हुए उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। इसके साथ ही हमारे सभी शिक्षा केंद्रों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहवर्धक उपलब्धियाँ प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परिचय दिया।

आपके अमूल्य सहयोग, विश्वास और निरंतर प्रोत्साहन के लिए हम हृदय से आपका आभार व्यक्त करते हैं। धन्यवाद!

मानव मंदिर मिशन में आध्यात्मिक मिलन और धर्म-चर्चा

ज्योतिष एवं धर्म के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान, आदरणीय श्री शुभेष शर्मन जी प्रायः मानव मंदिर मिशन पधारते रहते हैं, किंतु आज का यह समागम विशेष रूप से आत्मीय, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी रहा।

इस अवसर पर उनके साथ अनेक विशिष्ट एवं सम्मानित अतिथिगण भी उपस्थित रहे, जिन्हें पूज्य गुरुदेव जी के दर्शन एवं सान्निध्य का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। आशीर्वाद और ज्ञान के प्रतीकस्वरूप पूज्य गुरुदेव जी ने अपने नवीनतम पुस्तक ‘उड़ती हुई दिशाओं में’ को सम्मानित अतिथियों को स्नेहपूर्वक भेंट किया।

यह पुस्तक मानवता के प्रति उनके गहन चिंतन, दूरदर्शी दृष्टिकोण और जीवन-मूल्यों से ओत-प्रोत प्रेरणादायी विचारों का प्रतिबिंब है। "जब आध्यात्मिकता साहित्य से जुड़ती है, तब शब्द केवल विचार नहीं रहते, वे जीवन को दिशा देने वाली प्रेरणा बन जाते हैं।"

"सवर्ण आर्मी प्रमुख" श्री सर्वेश पांडे जी का मानव मंदिर मिशन आगमन

मानव मंदिर मिशन को दिल्ली स्थित अपने आश्रम में 'सवर्ण आर्मी' के प्रमुख आदरणीय श्री सर्वेश पांडेय जी का स्वागत एवं आतिथ्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अपने इस प्रवास के दौरान उन्हें पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज एवं आचार्य डॉ. अरुण प्रकाश जी महाराज के दर्शन, आशीर्वाद एवं दिव्य मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

श्री सर्वेश पांडेय जी ने मानव मंदिर मिशन द्वारा सेवा, शिक्षा, साधना एवं समग्र कल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पिछले तीन दशकों से पूज्य श्री अरुण योगी जी महाराज द्वारा भारत सहित विश्व के 35 से अधिक देशों में योग, ध्यान, आध्यात्मिकता तथा वैदिक-सनातन मूल्यों के प्रसार हेतु दिए जा रहे प्रेरणादायी योगदान का भी विशेष उल्लेख करते हुए उसकी प्रशंसा की।

यह भेंट सार्थक संवादों, आध्यात्मिक प्रेरणा और मानवता, सामाजिक उत्थान तथा राष्ट्रनिर्माण के मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता का सुंदर प्रतीक बनी। मानव मंदिर मिशन के शांत, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत और सौहार्दपूर्ण वातावरण ने वहाँ उपस्थित सभी जनों के हृदयों पर गहरी एवं अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

मानव मंदिर मिशन में "मानवता, कला और प्रकृति" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया

लोकनायक जयप्रकाश राष्ट्रीय कला एवं संस्कृति फाउंडेशन तथा मानव मंदिर मिशन के संयुक्त तत्वावधान में मानव मंदिर मिशन के यमुना-वात्सल्य नदी तट स्थित शांत एवं प्राकृतिक परिसर में "मानवता, कला और प्रकृति" विषय पर एक चिंतनपरक एवं प्रेरणादायी संवाद का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ परमपूज्य आचार्यश्री रूपचन्द्र जी महाराज के पावन आशीर्वाद के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्था के ट्रस्टी एवं निदेशक पूज्यश्री अरुण योगी जी महाराज तथा भारतीय दर्शन के प्रख्यात विद्वान एवं संस्था के महासचिव आचार्य डॉ. अरुण प्रकाश जी महाराज ने अपने विचारो एवं प्रेरणादायी उद्बोधनों से उपस्थित जनसमूह का मार्गदर्शन किया।संवाद के दौरान मानवीय मूल्यों, कलात्मक अभिव्यक्ति और पर्यावरणीय चेतना के मध्य विद्यमान गहन एवं अभिन्न संबंध पर विशेष प्रकाश डाला गया। साथ ही, यमुना नदी के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सभ्यतागत महत्व को रेखांकित करते हुए उसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर गंभीर चिंतन किया गया।

प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से इस बात पर विचार व्यक्त किया कि देशभर के कलाकारों, साहित्यकारों एवं सांस्कृतिक कर्मियों की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से एक व्यापक सांस्कृतिक नवजागरण का सूत्रपात किया जाना समय की महती आवश्यकता है। ऐसा नवजागरण ही समाज में संवेदनशीलता, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों को सशक्त आधार प्रदान कर सकता है।

हमारी टीम

मानव मंदिर मिशन

- Date of Foundation : 6 December 1981, Jaipur
- Statutory Foundation : 3 November 1989, Ludhiana, Regn No. - 6467

Manav Mandir Mission Trust, a non-profitable public charitable trust registered under the Indian Trust Act, Section (42), was established on 3rd November, 1989 by H.H. Acharya Shri Roop Chandra Ji Maharaj.

Get In Touch With Us

Regd. Office: KH-57, Ring Road, Sarai Kale Khan, New Delhi 110013

+91-9643990099

contact@manavmandirmission.org